NT>

Title: Need to set up a memorial at the residence of Babu Jagjivan Ram in Delhi.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, बाबू जगजीवन राम जी ने हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया। 6-कृणमेनन मार्ग को उनके स्मारक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा। तत्कालीन राट्रपति, श्री वेंकटरमण, डा. शंकर दयाल शर्मा, पूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीय श्री राजीव गांधी ने भी वहां जाकर जगजीवन बाबू को माल्यार्पण किया। वे बाबू जी के नाम से मशहूर थे और बिहार का गौरव थे। वे दलितों के नेता ही नहीं, बल्कि इन्होंने समाज के तमाम दबे एवं कुचले लोगों के प्रणेता के रूप में काम किया। लेकिन उनके आवास का स्मारक के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था, मुझे दुख है कि सरकार ने उसे खाली कराने के लिए नोटिस दिया है। कोर्ट ने इंटरवीन किया और 30 तारीख तक का नोटिस दिया है। इसी के साथ दो मामले कोर्ट में थे - स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री जी और जगजीवन बाबू के आवास का स्मारक बनाने का। लालबहादुर शास्त्री जी के स्मारक का नोटिफिकेशन हो गया है लेकिन जगजीवन बाबू जी का जो आवास था, उनका स्मारक बनाने की घोाणा करने का नोटिफिकेशन अभी तक नहीं हुआ। इसके कारण बिहार की आम जनता में ही नहीं, बल्कि हिन्दुस्तान भर में बड़ा भारी क्षोभ है। जगजीवन बाबू को भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। देश के स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई में इन्होंने देश-सेवा की और सभी जगह सफल हुए। इस तरह से जिनका स्वर्गवास हो गया और जो स्वतंत्रता सेनानी थे, उनका स्मारक नहीं बनाने पर यह सरकार तुली हुई है, यह भेदभाव कर रही है। इससे तमाम दलितों में बड़ा भारी क्षोभ होगा और फिर ऐसा उत्पात होगा, जिसे सरकार को भुगतना पड़ेगा। इसलिए मैं सरकार से आग्रह करता हूं,â€¦ (व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे (बक्सर) : महोदय, जगजीवन बाबू के आवास को स्मारक बनाने के लिए अधिक से अधिक सांसदों ने दस्तखत किए हैं।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : सरकार बेखबर बैठी हुई है। ऐसे संवदेनशील मामले को सरकार नोटिस में न ले और सदन को न बताए तो फिर कहां समाधान होगा। लोग सड़कों पर उतरेंगे और आंदोलन पर उतारू होंगे, फिर देश का क्या होगा।â€¦ (व्यवधान) वे इस देश के निर्माता थे।â€¦ (व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे : सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने इस विाय में प्रधानमंत्री जी को पत्र दिया है। मैं इस बारे में अच्छे तरीके से जानता हूं। आपकी और मेरी भी इस विाय में चर्चा हुई है। हम देखेंगे कि इस विाय में क्या किया जा सकता है।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : प्रधानमंत्री जी ने स्वयं उस समय इस पर दस्तखत किए थे और बहुत से माननीय सदस्यों ने भी किए थे कि यह स्मारक बनना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुझे भी यह मालूम है, मैं जानता हूं।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इसलिए मैं इसे आप पर छोड़ता हूं।â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : महोदय, मैं भी इससे अपने को सम्बद्ध करता हूं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अजय जी, आप संक्षेप में दो मिनट में बोलिए।